पत्रिका

रायपुर, 11 फरवरी, 2018
फाल्गुन, कृष्ण पक्ष-11, 2074

## बिना सरकारी मदद के दिखाई छात्रों को राह, अब फंड के लिए बनाई कार्ययोजना

# कौशल का असर, छात्रों को मिला मुकाम

XPOSE रिपोर्टर
xpose.raipur@epatrika.com

प्रदेश के सबसे बड़े विश्वविद्यालय पं. रविशंकर शुक्ल के विभिन्न विभागों ने विद्यार्थियों को रोजगार दिलाने के लिए अनुकरणीय पहल की है। जिसमें छात्र-छात्राओं को पाठ्यक्रम से संबंधित विषय विशेष के अतिरिक्त कौशल विकास व संचार कौशल की कक्षाएं लगाई जा रही है।

जिसका सीधा असर हाल ही में निजी स्कूल के प्लेसमेंट शिविर में देखने को मिला। विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित इस कैंप के इंट्रेंस में सर्वाधिक छात्रों चुने गए। इंट्रेंस में 36 में से 18 छात्र व उनमें से 5 छात्रों को शिक्षक पद पर नियुक्त किया गया है। और एक छात्र को दो माह बाद पुनः साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है।

पिछले प्लेसमेंट कैंपों में कंपनियों से संवाद से युवाओं में संचार कौशल व कौशल की कमी की बात सामने आई। जिसे देखते हुए हमने और कुछ विभागों ने इसके लिए अतिरिक्त कक्षाएं लगाईं। इससे हमें उम्मीद है कि पिछले सत्र की तुलना में वर्तमान सत्र में दोगुनी संख्या में छात्रों का चयन होगा। इसके अतितरिक्त फंड के लिए हमने कार्ययोजना व प्रस्ताव तैयार कर रखी है, बस कुलसचिव की स्वीकृति शेष है।

**निनाद बोधनकर,**
प्रभारी, प्लेसमेंट सेल, रविवि

### बिना अतिरिक्त फंड के बनाई व्यवस्था

इस पहल की अच्छी बात यह है कि इसके लिए विभागों ने कोई अतिरिक्त फंड नहीं लिया। फिर भी अतिथि शिक्षकों या खुद से ही स्किल डेवलपमेंट की कक्षाएं ली। प्लेसमेंट सेल के प्रभारी निनाद बोधनकर ने बताया कि इसकी सफलता को देखते हुए अतिरिक्त फंड के प्रस्ताव व कार्ययोजना तैयार की जा चुकी है, सिर्फ कुलसचिव की स्वीकृति शेष है।

### युवाओं में कौशल का अभाव

सेल के प्रभारी ने बताया कि इस सत्र से पूर्व बहुत कम ही छात्र साक्षात्कार या प्लेसमेंट कैंप के विभिन्न चरणों को पार कर पाते थे। जबकि इस कैंप में 5 छात्रों का चयन से उम्मीद बढ़ी है। प्रदेश के पिछड़े होने के कारण यहां युवाओं में इसकी कमी देखी जा रही है, जिसे देखते हुए उन्हें अतिरिक्त विषय ज्ञान देने का फैसला लिया।